tollendi. SAK. 7.13.: म्राइयधूमीद्रम 2) proventus, ortus, germinatio, Aufgehen. UR. 75.17.: पुष्पोद्रम; Hir. 90.4.: कोटपचोद्रम

उद्गाहम् (r. गाह् praef. उत् s. त cum signo accus.) valde, ultra modum. Am.

उद्गार m. (r. मू deglutire praef. उत् s. म्र) actio evomendi, ejiciendi ex ore. Am. Hir. 101.16.: क्योद्गार-

उद्गीय m. (r. ही s. य) pars Sama-Vedi. Dev. 4.9.

उद्घारित v. घट्ट praef. उत्.

उद्घारिन् (r. घट्ट se movere praef. उत् s. इन्) surgens, assurgens, se attollens. SAK. 4.12.: उद्घारिनी भूमि:

उद्ग m. (r. दिश्र monstrare, praef. उत् s. म्र) 1) monstratio, descriptio. In. 4. 16. 2) regio. H.1.16. N.10.18.

उदेशतस् Ado. (a praec. s. तस्) monstrationis causâ, speciminis vice. Bu. 10. 40.

उद्या n. (r. ह्ह praef. उत् s. म्रन) actio extrahendi. Hit. 13.17.

ਤੜ੍ਹਰੀ m. (r. ॡਗ੍ਰ gaudere praef. ਤੁਨ੍ਹ s. ਸ਼) festum. Am. ਤੜ੍ਹਕ m. (r. ध vel ध s. ਸ਼) festum. Am.

ত্ত্ত্বান n. (ut videtur ex ত্ত্ত্ত্নান q.v. ejecto মৃ) focus, furnax. Am.

ব্ৰহানন m. elephantus, tempore quo coïtum appetit elapso.

उद्यार m. (r. व्ह nisi धृ, praef. उत् s. म्र) debitum, aes alienum. Am.

उद्धृत v. ॡ praef. उत्.

उद्धमान n. (r. ध्मा flare s. म्रत) focus, furnax; v. उद्यानः

उद्भव m. (r. भू esse, existere, praef. उत् s. म्र) ortus, origo. N. 13.10. A. 5.24.

ত্ত্রিরে (ex ত্ত্তিরু germinatio et ন natus) progerminando natus. MAN. 1.46. V. sq.

उद्भिद् (r. भिद्) 1) f. actio progerminandi (v. praec. et schol. ad Man. 1.46.: उद्भेदनम् उद्भिद् भावे छिप्, तता जायन्ते ऊर्ध्वम् वीजम् भूमिश्व भिन्वे 'त्यू उद्भि- त्जा वृत्ताः). 2) Adj. progerminans. Am.

उद्भिद् (r. নিরু s. স্ল) 1) progerminans. Am. 2) m. planta. Am.: ন্যালেনাআ:- उद्भ्रम m. (r. भ्रम् s. म्र) motus, agitatio animi. Am.: उद्वेग उद्भ्रमे

उद्या m. (r. उन्दू s. य) flumen. Hem.

उद्यत v. यम् praef. उत्.

उद्यम m. (r. यम् praef. उत् s. म्र) contentio, labor, opera. Hir. 7. 1.

उद्यान n. (r. या s. म्रन) hortus regius publicus. Am.

उद्योग m. (r.युत् praef. उत् s. म्र) i. q. उद्यम. Hit. 6.10.11.

उद्योगिन (a praec. s. इन्) qui operam dat, nititur, contendit. Hir. 6.13.

उद् m. (r. उन्द् s. 7) lutra (Lith. údra, anglo-sax. oter, otor, angl. otter, nostrum Otter; gr. ύδρος, ύδρα; respiciatur etiam gr. ένυδρις, a vivendo in aqua nominata, ratione habità, vocem उद्घ in composito समुद्ध (mare) aquam significare, quam ob rem etiam lith. audrá accessus maris, inundatio, huc pertinet.).

उद्धत्सा m. (ex उत् et वत्सा annus) annus. Am.

उद्दर्तन n. (r. जृत्, in forma caus. s. म्रन) purificatio unguentis suavibus, «cleaning with parfumes». Am.: उत्वर्त-नात्सादने दे समे

उद्ध (r. অরু praef. তা ়ু s. মা, in fine compos. occurit).
1) propagans (genus). SA. 5.44. 2) oriundus, originem trahens, proles. In. 5.28. A. 3.14. 4.31.

उद्दल n. (r. वह praef. उत् s. म्रत) actio surgendi, turgescendi. In. 5.9.

उद्घाल्प (ex उत् et वाल्प lacryma) prorumpentes lacrymas habens, v. sq.

ত্তর তিন্তা n. (a praec. s. তা) Abstractum praecedentis, lacrymatio. UR. 23. 16.

उदाह m. (r. वह praef. उत् s. म्र) matrimonium, conjugium. Sv. 2.23.

उद्धिरन v. विज् praef. उत्.

उद्देग m. (r. ਕਿੜ੍ਹ praef. उत् s. म्र) tremor, timor, moeror. Bn. 17.15. A. 10.14.

उन्द् ^{7. p.} (उनिह्म, उन्द्रास्, v. gr. 379.) madidum esse (v. उन्न, उद et cf. praeter voces ibi cum उद comparatas lat. *údus*; nisi hoc est correptum ex *uvidus* ab